an>

Title:Regarding social responsibility of media.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर): उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपने क्षेत्र की बात नहीं करूंगा, अपने प्रदेश की बात नहीं करूंगा, लेकिन देश की बात जरूर करूंगा।...(व्यवधान) पिछले कुछ दिनों से आपने देखा होगा कि लगातार मीडिया में एक आतंकवादी के बारे में जिस तरह से बार-बार चर्चा की जा रही है, ...(व्यवधान) एक तरफ हम ह्यूमैन राइट्स की बात करते हैं, लेकिन ह्यूमैन रिस्पांसिबिलिटी की बात नहीं करते। उसके अधिकारों की बात की जाती है, लेकिन उसकी जिम्मेदारी की बात नहीं कही जाती है।...(व्यवधान) बेगुनाह लोग मरते हैं, उनके बारे में कम दिखाया जाता है, मारने वाले को ज्यादा दिखाया जा रहा है, हमें इस बात की चिंता ज्यादा होती है। ...(व्यवधान) हमें दुख इस बात का है कि भारत लगातार टैररिस्ट्स के लिए सोफ्ट टारगेट बनता चला जा रहा है। क्या हम इस बात पर चिंता व्यक्त करेंगे और इस पर चर्चा करेंगे या केवल हंगामा खड़ा करते रहेंगे। ...(व्यवधान) मुझे लगता है कि भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है, जो देश के अंदर बैठकर अगर एक झंडा चार लोग उठाते हैं, चालीस करोड़ लोगों तक कौन पहुंचा रहा है, उन्हें अपनी जिम्मेदारी के बारे में सोचना पड़ेगा।...(व्यवधान) देश के कोने में एक झंडा उठाया जाता है, लेकिन चालीस करोड़ लोगों तक पहुंचाया जाता है, क्या हम इस बात पर चिंता नहीं करेंगे।...(व्यवधान) फांसी की सजा 23 वÂ○ा○ों के बाद दी जाती है, लेकिन चार-चार दिन तक उस पर चर्चा चलती है। सुप्रीम कोर्ट का बड़ा बैंच यह तय करता है और चार बुद्धिजीवी लोग रिटायर होने के बाद किस विÂ○ाय पर चर्चा करते हैं। ...(व्यवधान) 23 वÂ○ा○ों तक बेगुनाह लोग उन्हें फांसी चढ़ाने का इंतजार करते हैं और कुछ लोग अपनी कलमें काली करके उन बेगुनाह लोगों को जिन्हें आज अपना अधिकार मिला है, उसके बारे में चर्चा होती है।...(व्यवधान) इस पर हमें पीड़ा होती है। मेरे हिमाचल प्रदेश के हर चौथे घर से एक फौजी इन आतंकवादियों को रोकने के लिए अपनी जान देता है, अपनी जान कुर्बान करता है,...(व्यवधान) लेकिन आतंकवाद के नाम पर देश में जहर घोलने वालों द्वारा जब उसे बचाने का प्रयास किया जाता है तो पीड़ा होती है और ये लोग देश की बात करने की बजाय यहां हाय-हाय करते हैं।...(व्यवधान) ये लोग देश को क्या बचायेंगे। इसीलिए मैं बार-बार कहना चाहता हूं कि पीड़ा होती है, जब यहां बैठे हुए ये बच्चे देखते हैं कि सदन को चलाने वाले, देश को चलाने वाले उनकी सुरक्षा की बात नहीं करते, बल्कि अपनी राजनीतिक रोटियां यहां सेकते हैं।...(व्यवधान)

मैं मीडिया के मित्रों से भी कहना चाहता हूं कि ये चार लोगों की बातें न सुनें, बल्कि देश को आगे लेकर चलें। धन्यवाद। ...(व्यवधान)

HON. DEPUTY SPEAKER:

S/Shri Bhairon Prasad Singh,

Nishikant Dubey,

Gajendra Singh Shekhawat,

Ramsinh Rathwa,

Maheish Girri,

Kunwar Pushpendra Singh Chandel and

Dr. Kirit P. Solanki are permitted to associate with the issue raised by Shri Anurag Singh Thakur.